Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[4302]-111

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2013

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 1 : सामान्य स्तर

आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास तथा कहानी)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) कालजयी हिंदी कहानियाँ
संपादक—रेखा सेठी, रेखा उप्रेती
(*ii*) विजन—मैत्रेयी पुष्पा

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'नई कहानी ने यथार्थ की अभिव्यक्ति और अनुभूति की ईमानदारी पर बहुत बल दिया है'—पठित कहानियों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

''गर्मियों के दिन' कहानी में वर्तमान उपभोक्तावादी संस्कृति के दर्शन होते हैं'—विवेचन कीजिए।

2. ''विजन' उपन्यास में युवा पीढ़ी के आक्रोश को वाणी मिली है'—कथन की समीक्षा कीजिए।

P.T.O.

अथवा

' 'विजन' उपन्यास नेत्र-चिकित्सा क्षेत्र में काम करने वाली नारी-संघर्ष की गाथा है'—स्पष्ट कीजिए।

3. 'वापसी' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'विजन' में चित्रित देश—काल, वातावरण

(ख) डॉ. आभा **बनाम** डॉ. चोपड़ा

(ग) 'विजन' उपन्यास का शीर्षक।

4. 'डॉ. आर. पी. शरण भारतीय पुरुषप्रधान समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं'—'विजन' उपन्यास के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(च) 'उमस' कहानी के रानी की क्या व्यथा है ?

(छ) 'चीफ की दावत' कहानी का व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

(ज) 'अपना-अपना भाग्य' में चित्रित वातावरण पर प्रकाश डालिए।

(झ) सोमा बुआ का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(त) 'अपराध' कहानी में व्यक्त अपराध-बोध को स्पष्ट कीजिए।

(थ) 'आदमी का बच्चा' कहानी के शीर्षक की सार्थकता लिखिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(द) ''ले जा, खूब खा और आशीर्वाद दे। जिसकी कमाई है, वह तो मर गई। मगर तेरा आशीर्वाद उसे जरूर पहुँचेगा।''

अथवा

'क्यों रंग ही पहले बुझता है, फूल ही पहले ओझल होते हैं, जबकि परिपार्श्व की एकरूपता बनी रहती है।''

(ध) ''यही करना था तो एक सीट को व्यर्थ क्यों किया ? कितने लगनशील, प्रतिबद्ध छात्र एक सीट के कारण रह जाते हैं। चिकित्सा जगत् कोई खाला का घर नहीं।''

अथवा

विवाह संस्कार बेटी की जिंदगी का महत्वपूर्ण संस्कार है, क्योंकि यह भले ही औरत की आजीविका में सहायक न हो, उसे सृष्टि रचने की सामाजिक भूमिका में उतारता है, नहीं तो स्त्री का धरती पर क्या काम ?

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4+1**

Seat No.	

[4302]-112

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2013

HINDI (हिंदी)

विशेषस्तर : प्रश्नपत्र 2

(प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) विद्यापति : आलोचना और संग्रह।

संपादक : डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित।

(*ii*) पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी।

संपादक : डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल।

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. विद्यापति भक्त कवि हैं या शृंगार कवि। चर्चा कीजिए।

अथवा

भाषा और अलंकारों की दृष्टि से विद्यापति के काव्य पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

2. 'वियोग शृंगार के क्षेत्र में जायसी बेजोड़ हैं।' सोदाहरण विवेचन कीजिए।

अथवा

'पद्मावत' के आधार पर जायसी की काव्य कला का परिचय दीजिए।

3. विद्यापति पदावली के प्रकृति-चित्रण का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'पद्मावत' का सौंदर्य-वर्णन

(ख) 'पद्मावती' का चरित्र-चित्रण

(ग) 'पद्मावत' की अलंकार योजना।

4. ''पद्मावत' में लोकजीवन के विविध पक्षों का सुन्दर चित्रण हुआ है।'' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) विद्यापति की भक्ति-भावना का निरूपण कीजिए।

(ख) विद्यापति के काव्य में गीतितत्व की विशेषताएँ बताइए।

(ग) विद्यापति के काव्य का महत्व स्पष्ट कीजिए।

(घ) विद्यापति के काव्य में चित्रित नारी-सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

(च) विद्यापति के कला-पक्ष का विवेचन कीजिए।

(छ) विद्यापति के काव्य की देन पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) ''नन्द क नन्दन कदम्ब क तरुतर
धिरे धिरे मुरलि बजाव।
समय संकेत-निकेतन बइसल
बेरि बेरि बोलि पठाव।
सामरि, तोरा लागि
अनुखन बिकल मुरारि।
जमुना क तिर उपबन उदबेगल
फिरि-फिरि ततहि निहारि।
गोरस बेचए अवदूत जाइत
जनि जनि पुछ बनमारि।
तोंहे मतिमान, सुमति, मधुसूदन
बचन सुनह किछु मोरा।
भनइ विद्यापति सुन बरजोबति
बन्दह नन्द किसोरा॥''

अथवा

''अनुखन माधव माधव सुमरइत सुन्दर भेलि मधाई।
ओ निज भाव सुभावहि बिसरल अपने गेन लुबुधाई॥
माधव अपरूब तोहर सिनेह।
अपने विरह अपने तनु जरजर जिबइत भेल सन्देह॥
भेरहि सहचरि कातर दिठि हेरि छल-छल लोचन पानि।
अनुखन राधा-राधा रटइत आधा-आधा बानि॥
राधा सयँ जब पुनतहि माधव-माधव सयँ जब राधा।
वारून पेम तबहिं नहिं टूटत बाढ़त बिरहक बाधा॥
दुहुदिसि दारू दहन जैसे जगधई आकुल कीट परान।
ऐसन बल्लभ हेरि सुधामुखि कवि विद्यापति भान॥''

(आ) ''सखी एक तेइँ खेल न जाना। चित अचेत भइ हार गँवाना।1।
कँवल डार गहि मै बेकरारा। कासों पुकारौं आपन हारा।2।
कत खेलै आइउँ एहिं साथाँ। हार गँवाइ चलिउँ सैं हाथाँ।3।
धर पैठत पूँछब एहि हारू। कौनु उतर पाउबि पैसारू।4।
नैन सीप आँसुन्ह तस भरे। जानहुँ मोंति गिरहिं सब ढरे।5।
सखिन्ह कहा भोरी कोकिला। कौनु पानि जेहिं पौनु न मिला।6।
हारू गँवाइ सो अैसेहिं रोवा। हेरि हेराइ लेहु जौं खोवा।7।
लागीं सब मिलि हेरै बूड़ि बूड़ि एक साथ।
कोई उठी मोंति लै घोंघा काहू हाथ॥''

अथवा

''पूस जाड़ थरथर तन काँपा। सुरूज जड़ाइ लंक दिसि तापा।1।

बिरह बाढ़ि भा दारून सीऊ। कँपि कँपि मरौं लेहि हरि जीऊ।2।

कंत कहाँ हौं लागौं हियरें। पंथ अपार सूझ नहिं नियरें।3।

सौत सुपेती आवै जूड़ी। जानहुँ सेज हिवंचल बूड़ी।4।

चकई निसि बिछुरै दिन मिला। हौं निसि बासर बिरह कोकिला।5।

रैन अकेलि साथ नहिं सखी। कैसें जिऔं बिछोही पँखी।6।

बिरह सैचान भँवैं तन चाँड़ा। जीयत खाइ मुएँ नहिं छाँड़ा।7।

रकत ढ़रा माँसू गरा हाड़ भए सब पंख।

धनि सारस होइ ररि मुई आइ समेटहु पंख॥''

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4302]-113

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2013

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 3 : विशेष स्तर

(भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. रसनिष्पत्ति विषयक शंकुक तथा भट्टनायक के विचारों को समझाइए।

2. भारतीय साहित्यशास्त्र के इतिहास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3. अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति देते हुए अलंकार सिद्धांत का स्वरूप विशद कीजिए।

4. रीति की परिभाषा देते हुए रीति भेदों का विवेचन कीजिए।

5. ध्वनि का स्वरूप स्पष्ट करते हुए ध्वनि के प्रमुख भेदों का सोदाहरण परिचय दीजिए।

P.T.O.

6. वक्रोक्ति की परिभाषा देते हुए कुंतकपूर्व वक्रोक्ति विचार का विवेचन कीजिए।

7. औचित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए अन्य सिद्धान्तों के संदर्भ में औचित्य का महत्त्व विशद कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अभिनव गुप्त का अभिव्यक्तिवाद

(ख) प्रकरण वक्रता

(ग) ध्वनि और स्फोट सिद्धांत

(घ) औचित्य के भेद।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**8**

Seat No.	

[4302]-114

M. A. (First Semester) EXAMINATION, 2013

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-4 : विशेषस्तर—वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्त्वपूर्ण सूचना :—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी *एक* ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-ग्रन्थ : कबीर ग्रंथावली — संपादक : श्यामसुंदर दास

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. कबीर के विद्रोही विचारों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

2. ज्ञानाश्रयी शाखा की काव्य-परंपरा में कबीर के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

3. कबीर के काव्य-सौंदर्य का विवेचन कीजिए ।

4. कबीर के काव्य में व्यक्त दार्शनिक विचारों पर प्रकाश डालिए ।

5. कबीर की भक्तिभावना का वर्णन कीजिए ।

6. 'कबीर वाणी के डिक्टेटर थे'—इस विधान को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

7. 'कबीर के राम' का अपने शब्दों में परिचय दीजिए ।

P.T.O.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) कबीर जंत्र न बाजई, टूटि गए सब तार ।
जंत्र बिचारा क्या करै, चलै बजावणहार ॥
निधड़क बैठा राम बिन, चेतनि करि पुकार ।
यहुं तन जल का बुदबुदा, बिनसत नाही बार ॥

(आ) सुखिया सब संसार है, खाये अरु सोवै ।
दुखिया दास कबीर है, जागे अरु रोवै ॥
फाड़ि फुटोला धज करौं, कामलड़ी पहिराऊँ ।
जिहिं जिहिं भेषा हरि मिलैं, सोइ सोइ भेष कराउँ ॥

(इ) हरि मेरा पीव भाई, हरि मेरा पीव, हरि बिन रहि न सकै मेरा जीव ॥
हरि मेरा पीव मैं हरि की बहुरिया, राम बड़े मैं छुटक लहरिया ।
किया सिंगार मिलन कै ताँई, काहे न मिलौ राजा राम गुसाँई ॥
अबकी बेर मिलन जो पाँऊँ, कहैं कबीर भौ जलि नहीं आँऊँ ॥

(आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) श्रीरामचरितमानस : उत्तरकांड।

(*ii*) विनयपत्रिका—संपा. : वियोगी हरि।

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. तुलसीदास के कृतित्व का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

2. तुलसीदास के राज्यादर्शों का विवेचन कीजिए ।

3. रामचरितमानस में भारतीय संस्कृति की सफल अभिव्यक्ति हुई है—स्पष्ट कीजिए ।

4. रामचरितमानस के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए ।

5. विनयपत्रिका में तुलसी की भक्ति-भावना अभिव्यक्त हुई है—स्पष्ट कीजिए ।

6. विनयपत्रिका में तुलसीदास अपने मन को उद्‌बोधन करते हैं—विवेचन कीजिए ।

7. कलापक्ष की दृष्टि से विनयपत्रिका का विवेचन कीजिए ।

8. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) राजीवलोचन स्रवत जल तन ललित पुलकावलि बनी ।
अति प्रेम हृदय लगाइ अनुजहि मिले प्रभु त्रिभुवन धनी ।
प्रभु मिलत अनुजहि सोइ मो पहिं जाति नहिं उपमा कही ।
जनु प्रेम अरु सिंगार तनु धरि मिले बर सुषमा लही ॥

अथवा

बार बार बर मागौं हरषि देहु श्रीरंग ।
पद सरोज अनपायनी भगति सदा सतसंग ॥
बरनि उमापति रामगुन हरषि गए कैलास ।
तब प्रभु कपिन्ह दिवाए सब विधि सुखप्रद बास ॥

(ख) रघुपति-भगति करत कठिनाई ।

कहत सुगम, करनी अपार, जाने सोइ, जेहि बनि आई ।

जो जेहि कला-कुसल ताकहँ, सोइ सुलभ सदा सुखकारी ।

सफरी सनमुख जल-प्रवाह, सुरसरी बहै गज भारी ॥

ज्यों सर्करा मिलै सिकता महँ, बल तें न कोउ बिलगावै ।

अति रसग्य सूच्छम पिपीलिका, बिनु प्रयास ही पावै ।

सकल दृस्य निज उदर मेलि, सोवै निद्रा तजि जोगी ।

सोइ हरिपद अनुभवै परमसुख, अतिसय द्वैत-बियोगी ।

अथवा

जाके प्रिय न राम-बैदेही ।

सो छाँड़िये कोटि बैरी सम, जद्यपि परम सनेही ।

तज्यो पिता प्रह्लाद, विभीषण बंधु, भरत महतारी ॥

बलि गुरु तज्यो, कत ब्रज-बनितनि, भये मुद-मंगलकारी ।

नाते नेह राम के मनियत सुहृद सुसेव्य जहाँ लौ ॥

तुलसी सो सब भाँति परमहित पूज्य प्रान ते प्यारो ।

जासो होइ सनेह राम-पद, एतो मतो हमारो ॥

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार मोहन राकेश

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) आषाढ़ का एक दिन

(*ii*) लहरों के राजहंस

(*iii*) आधे-अधूरे

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. पाश्चात्य दृष्टि से नाटक के स्वरूप एवं तत्त्वों का परिचय दीजिए ।

2. हिंदी नाट्य-परंपरा का परिचय दीजिए ।

3. कथ्य एवं शिल्प की दृष्टि से मोहन राकेश के नाटकों का मूल्यांकन कीजिए ।

4. भाषा एवं संवाद-योजना की दृष्टि से 'आषाढ का एक दिन' का विवेचन कीजिए ।

5. नाट्य कला की दृष्टि से 'लहरों के राजहंस' का मूल्यांकन कीजिए ।

6. 'आधे-अधूरे' नाटक की कथावस्तु स्पष्ट करते हुए उसके शीर्षक का विवेचन कीजिए ।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भारतीय दृष्टि से नाटक के तत्व

(ख) 'आषाढ़ का एक दिन' का कथ्य

(ग) 'लहरों के राजहंस' का नायक

(घ) 'आधे-अधूरे' का नाट्य-शिल्प ।

8. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(च) "राजनीति साहित्य नहीं है । उसमें एक-एक क्षण का महत्व है । कभी एक क्षण के लिए भी चूक जाएँ, तो बहुत बड़ा अनिष्ट हो सकता है । राजनीतिक जीवन की धुरी में बने रहने के लिए व्यक्ति को बहुत जागरूक रहना पड़ता है ।"

अथवा

"वह सब जो मैं नहीं लिख पाया और जो आषाढ के मेघों की तरह वर्षों से मेरे अंदर घुमड़ रहा है परंतु बरस नहीं पाता । क्योंकि उसे ऋतु नहीं मिलती, वायु नहीं मिलती । यह कौनसी रचना है ?"

(छ) "परंतु वह स्पंदन, वह अकुलाहट ही क्या जीवन का पूरा अर्थ, जो लेने का कुल पुरस्कार नहीं है ? आकाश में लटकते नीले-काले बिंदु-कोरे सिद्धांतों के ..... वे अधिक स्थायी, अधिक सत्य कैसे हैं ?"

अथवा

"भिक्षा-पात्र हाथ में न लेना तुम्हारे उत्तर का एक अंश था । दूसरा अंश था तुम्हारा यहाँ न आकर जंगल में चले जाना और व्याघ्र से युद्ध करना । तीसरा अंश है ।"

(ज) "तुम्हारे लिए जीने का मतलब रहा है—कितना कुछ एक साथ होकर, कितना कुछ एक साथ पाकर और कितना कुछ एक साथ ओढ़कर जीना । वह उतना कुछ कभी तुम्हें किसी एक जगह न मिल पाता, इसलिए जिस किसी के साथ भी जिंदगी शुरू करती ।"

अथवा

"यहाँ पर सब लोग समझते क्या हैं मुझे ? एक मशीन, जो कि सब के लिए आटा पीसकर रात को दिन, और दिन को रात करती रहती है ?"

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि अज्ञेय

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) हरी घास पर क्षण भर
(*ii*) बावरा अहेरी
(*iii*) कितनी नावों में कितनी बार।

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अज्ञेय के जीवन का परिचय देते हुए उनके कृतित्व की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

2. 'नई कविता की विशेषताएँ अज्ञेय के काव्य में अभिव्यक्त हुई हैं ।' विवेचन कीजिए ।

3. अज्ञेय के काव्य में व्यक्त दार्शनिकता का विवेचन कीजिए ।

4. अज्ञेय की काव्य कला पर प्रकाश डालिए ।

5. 'हरी घास पर क्षण भर' की कविताओं के आधार पर अज्ञेय के प्रकृति-चित्रण को स्पष्ट कीजिए ।

6. 'बावरा अहेरी' की कविताओं की भावगत प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए ।

7. 'कितनी नावों में कितनी बार' की कविताओं में अज्ञेय की मनुष्य के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त हुई है स्पष्ट कीजिए ।

8. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) किंतु हम हैं द्वीप ।
हम धारा नहीं हैं ।
स्थिर समर्पण है हमारा । हम सदा से द्वीप हैं स्रोतस्विनी के
किंतु हम बहते नहीं हैं । क्योंकि बहना रेत होना है ।
हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं ।

(ख) कुहरा झीना और महीन, झर-झर पड़े अकासनीम
उजली-लालिम मालती गंध के डोरे डालती,
मन में दुबकी है हुलास ज्यों परछाई हो चोर की—
तेरी बाट अगोरते ये आँखें हुईं चकोर की !

(ग) पीपल की सूखी खाल स्निग्ध हो चली
सिरिस ने रेशम से वेणी बाँध ली
नीम के भी बौर में मिठास देख
हँस उठी है कचनार की कली
टेसुओं की आरती सजा के
बन गई वधू वनस्थली ।

(घ) बंदूक के कुंदे से
हल के हत्थे की छुअन
हमें अब भी अधिक चिकनी लगती,
संगीन की धार से
हल के फाल की चमक ।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[4302]-211

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2013

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 5 : सामान्य स्तर

(आधुनिक हिंदी नाटक तथा अन्य विधाएँ)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) कोर्ट मार्शल : स्वदेश दीपक

(*ii*) हजारीप्रसाद द्विवेदी के चुने हुए निबंध
संपादक : मुकुंद द्विवेदी

(*iii*) यात्रा साहित्य—संपादक डॉ. तुकाराम पाटील, डॉ. नीला बोर्वणकर

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'कोर्ट मार्शल' नाटक सेना के कानून विभाग में फैले हुए भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करता है—कथन का विवेचन कीजिए।

अथवा

रंगमंचीयता की दृष्टि से 'कोर्ट मार्शल' नाटक की समीक्षा कीजिए।

P.T.O.

2. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी मनुष्य को साहित्य का मूल केंद्र मानते हैं—पठित निबंधों के आधार पर कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'नाखून क्यों बढ़ते हैं ?' निबंध की प्रतीकात्मकता स्पष्ट कीजिए।

3. 'यात्रा-साहित्य' एक कलापूर्ण वाङ्मय प्रकार है जिसमें काव्यात्मकता, चिंतनशीलता, विनोदवृत्ति आदि का समन्वय होता है'—पठित यात्रा-वृत्तों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'ब्रह्मपुत्र की मोरचेबंदी' में लेखक ने युद्ध के रोमांचक अनुभव प्रस्तुत किए हैं—सोदाहरण विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'कोर्ट मार्शल' नाटक का शीर्षक

(ख) बी. डी. कपूर का चरित्र-चित्रण

(ग) 'देवदारु' की प्रतीकात्मकता

(घ) 'घर जोड़ने की माया' में लेखक के विचार

(च) 'चीड़ों पर चाँदनी' में प्रकृति-चित्रण

(छ) 'उड़ता चल कबूतर' की भाषा-शैली।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(ज) ''बराबर की बातें तो दूर, सोचने के स्तर पर भी हम अपने से छोटों को बराबर का अधिकार देने के लिए तैयार नहीं।''

(झ) ''मैं बालू में से तेल निकालने का सचमुच ही प्रयत्न करता हूँ, बशर्ते वह बालू मुझे अच्छी लग जाए।''

(त) ''साल-डेढ़ साल के लिए मैं अवधूत बन जाऊँगा, अपनी टिहरी की उसी अवधूतिन से मंत्र लूँगा।''

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[4302]-212

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2013

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 6 : विशेष स्तर

मध्ययुगीन हिंदी काव्य

(सूरदास, बिहारी, घनानंद)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) भ्रमरगीत सार : सूरदास
संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
(*ii*) रीति काव्यधारा : संपा. डॉ. रामचंद्र तिवारी
डॉ. रामफेर त्रिपाठी।

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'भ्रमरगीत' के आधार पर सूरदास के वियोग-वर्णन पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'सूर की वक्रोक्तियाँ हिंदी साहित्य की अनूठी संपत्ति है।' 'भ्रमरगीत' के आधार पर विवेचन कीजिए।

P.T.O.

2. 'बिहारी का काव्य शृंगार, भक्ति और नीति की त्रिवेणी है।' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

बिहारी की काव्य-कला पर प्रकाश डालिए।

3. पठित छंदों के आधार पर घनानंद के सौंदर्य-चित्रण का निरूपण कीजिए।

अथवा

घनानंद की काव्य-भाषा पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) सूर की गोपियाँ

(ख) 'भ्रमरगीत' में योग बनाम भक्ति

(ग) बिहारी का सौंदर्य-चित्रण

(घ) रीतिसिद्ध कवि बिहारी

(च) घनानंद का विरह-वर्णन

(छ) रीतिमुक्त कवि घनानंद।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''अँखिया हरि-दरसन की भूखी।
कैसे रहैं रूपरस राची ये बतियाँ सुनि रूखी॥
अवधि गनत इकटक मग जोवत तब एती नहिं झूखी।
अब इन जोग-सँदेसन ऊधो अति अकुलानी दूखी॥
बारक वह मुख केरि दिखाओ दुहि पय पिवत पतूखी।
सूर सिकत हठि नाव चलायो ये सरिता है सूखी॥''

(ख) ''मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाईं परैं स्यामु हरित-दुति होइ॥
कहत नटत रीझत खिझत, मिलत खिलत लजियात।
भरे भौन मैं करत है नैननु ही सब बात॥''

(ग) ''हीन भए जल मीन अधीन कहा कछु मो अकुलानि समानै।
नीर सनेही कों लाय कलंक निरास है कायर त्यागत प्रानै॥
प्रीति की रीति सु क्यौं समुझै जड़ मीत के पानि परे को प्रमानै॥
या मन की जु दसा घनआनँद जीव की जीवनि जान ही जानै॥''

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4302]-213

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2013

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-7 : विशेष स्तर

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत तथा आलोचना)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. अनुकरण की व्याख्या देते हुए अरस्तू की अनुकरण विषयक धारणा स्पष्ट कीजिए ।

2. उदात्त सिद्धांत के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उदात्त के महत्व पर प्रकाश डालिए ।

3. टी.एस्. इलियट के वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत को स्पष्ट करते हुए उनके योगदान पर प्रकाश डालिए ।

4. संप्रेषण सिद्धांत की परिभाषा और स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसका महत्व विशद कीजिए ।

5. क्रोचे की कलाविषयक धारणा को स्पष्ट करते हुए अभिव्यंजना और वक्रोक्ति की तुलना कीजिए ।

6. बिंबवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके वर्गीकरण का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

7. आलोचना का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके उद्‌देश्य पर प्रकाश डालिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) विरेचन सिद्‌धांत

(ख) प्रतीक का महत्व

(ग) विखंडनवाद

(घ) तुलनात्मक आलोचना ।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**8**

Seat No.	

[4302]-214

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2013

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 8 : विशेषस्तर : वैकल्पिक

(विशेष विधा तथा अन्य)

(2008 PATTERN)

महत्त्वपूर्ण सूचना :—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) हिंदी उपन्यास

(ख) हिंदी नाटक और रंगमंच

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

(घ) हिंदी दलित विमर्श एवं साहित्य ।

(क) हिंदी उपन्यास

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :—

(*i*) गोदान—प्रेमचंद।

(*ii*) मैला आँचल—फणीश्वरनाथ 'रेणु'।

(*iii*) राग-दरबारी—श्रीलाल शुक्ल।

(*iv*) एक पत्नी के नोट्स—ममता कालिया।

सूचनाएँ :—

(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. उपन्यास की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

2. प्रेमचंद युगीन हिंदी उपन्यास साहित्य का परिचय दीजिए ।

3. हिंदी के मनोवैज्ञानिक उपन्यासों की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए ।

4. "'गोदान' में भारतीय किसान की दयनीय स्थिति का चित्र अंकित किया है ।" स्पष्ट कीजिए ।

5. उपन्यास-कला की दृष्टि से 'मैला आँचल' का मूल्यांकन कीजिए ।

6. शिल्प-विधान की दृष्टि से 'राग-दरबारी' उपन्यास का विवेचन कीजिए ।

7. 'एक पत्नी के नोट्स' की कथावस्तु संक्षेप में लिखते हुए उसके उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) उपन्यास की चेतनाप्रवाह शैली

(ख) 'गोदान' के नारी-पात्र

(ग) 'राग दरबारी' का उद्देश्य

(घ) 'एक पत्नी के नोट्स' का दाम्पत्य जीवन ।

(ख) हिंदी नाटक और रंगमंच

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :—

(*i*) अंधेर नगरी—भारतेंदु हरिश्चंद्र।

(*ii*) कोणार्क—जगदीशचंद्र माथुर।

(*iii*) एक सत्य हरिश्चंद्र—डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल।

सूचनाएँ :—

(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य-दृष्टि का परिचय दीजिए ।

2. प्रसाद युगीन हिंदी नाटक साहित्य का परिचय देते हुए उसकी प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

3. एकांकी का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके तत्त्वों पर प्रकाश डालिए ।

4. नाट्य संरचना में कथावस्तु का महत्त्व स्पष्ट कीजिए ।

5. 'अंधेर नगरी' नाटक के व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ।

6. नाट्य तत्त्वों के आधार पर 'कोणार्क' का विवेचन कीजिए ।

7. चरित्र सृष्टि की दृष्टि से 'एक सत्य हरिश्चंद्र' का विवेचन कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) नाटक का रंगमंचीय पक्ष

(ख) हिंदी में अनूदित नाटक

(ग) 'कोणार्क' की काल्पनिकता

(घ) 'अंधेर नगरी' की प्रासंगिकता ।

[4302]-214

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—

(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. हिंदी भाषा के विविध रूपों का उल्लेख करते हुए किन्हीं **दो** रूपों का परिचय दीजिए ।

2. प्रयोजनमूलक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियों को बताते हुए साहित्यिक और खेलकूद की प्रयुक्ति का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

3. राजभाषा हिंदी के संवैधानिक प्रावधान का परिचय दीजिए ।

4. सरकारी पत्राचार का स्वरूप लिखते हुए परिपत्र का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए ।

5. जनसंचार माध्यमों का परिचय देते हुए दृक्-श्राव्य माध्यम लेखन की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

6. विज्ञापन लेखन का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी भाषिक विशेषताएँ विशद कीजिए ।

7. कम्प्यूटर की विविध प्रयुक्तियों का परिचय दीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अंतर्राष्ट्रीय भाषा

(ख) प्रतिवेदन

(ग) संक्षेपण

(घ) इंटरनेट ।

(घ) हिंदी दलित विमर्श एवं साहित्य

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :—

(*i*) दोहरा अभिशाप—कौसल्या बैसंगी

(*ii*) पहला खत—डॉ. धर्मवीर

(*iii*) आवाजें—मोहनदास नैमिषराय

(*iv*) घुसपैठिए—ओमप्रकाश वाल्मीकि

(*v*) असीम है आसमाँ—डॉ. नरेंद्र जाधव।

सूचनाएँ :—

(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. दलित साहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

2. दलित साहित्य के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए ।

3. दलित साहित्य के प्रेरणास्रोत के रूप में कबीर तथा महात्मा ज्योतिराव फुले का परिचय दीजिए ।

4. दलित साहित्य के सौंदर्यशास्त्र पर प्रकाश डालिए ।

5. 'दोहरा अभिशाप' का दलित साहित्य की विशेषताओं के संदर्भ में विवेचन कीजिए ।

6. 'आवाजें' की कथावस्तु को स्पष्ट करते हुए उसके शीर्षक की विवेचना कीजिए ।

7. शिल्प की दृष्टि से 'पहला खत' का मूल्यांकन कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) दलित साहित्य पर कार्ल मार्क्स का प्रभाव

(ख) दलित साहित्य की कलात्मकता

(ग) 'घुसपैठिए' का शिल्प

(घ) 'असीम है आसमाँ' का शीर्षक ।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4+1**

Seat No.	

[4302]-311

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2013

HINDI (हिंदी)

सामान्य स्तर : प्रश्नपत्र 9

आधुनिक काव्य

(महाकाव्य, दीर्घ कविताएँ तथा काव्य नाटक)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) कामायनी : जयशंकर प्रसाद।

(*ii*) दीर्घ कविताएँ : संपा. डॉ. सुरेश कुमार जैन, डॉ. नीला बोर्वणकर

(*iii*) अंधा युग : डॉ. धर्मवीर भारती।

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. महाकाव्य की दृष्टि से 'कामायनी' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

कामायनी के प्रकृति-चित्रण की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

2. ''‘पटकथा’ में जनतंत्र के खोखलेपन को अभिव्यक्ति मिली है।'' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

‘असाध्य वीणा’ के कथ्य पर प्रकाश डालिए।

3. ‘अंधा युग’ के आधुनिकता बोध पर प्रकाश डालिए।

अथवा

''अश्वत्थामा मरणोन्मुख संस्कृति का भली-भाँति प्रतिनिधित्व करता है।'' ‘अंधा युग’ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) ‘कामायनी’ की इड़ा

(ख) ‘कामायनी’ में समरसता सिद्धांत

(ग) ‘ब्रह्मराक्षस’ का मिथक

(घ) ‘सरोज स्मृति’ में सरोज की शादी का वर्णन

(च) ‘अंधा युग’ की काव्यभाषा

(छ) ‘अंधा युग’ के धृतराष्ट्र।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(ज) ''कौन हो तुम वसंत के दूत विरस पतझर में अति सुकुमार!
घन-तिमिर में चपला की रेख, तपन में शीतल मंद बयार।
नखत की आशा-किरण समान, हृदय के कोमल कवि की कांत,
कल्पना की लघु लहरी दिव्य, कर रही मानस हलचल शांत।''

अथवा

''सारस्वत-नगर-निवासी हम आये यात्रा करने,
यह व्यर्थ रिक्त-जीवन-घट पीयूष-सलिल से भरने।
इस वृषभ धर्म प्रतिनिधि को उत्सर्ग करेंगे जाकर,
चिर-मुक्त रहे यह निर्भय स्वच्छंद सदा सुख-पाकर।''

(झ) सासु ने कहा लख एक दिवस-
''भैया अब नहीं हमारा बस,
पालना-पोसना रहा काम,
देना सरोज को धन्य-धाम,
शुचि वर के कर, कुलीन लखकर,
है काम तुम्हारा धर्मोत्तर;
अब कुछ दिन इसे साथ लेकर
अपने घर रहो, ढूँढकर वर
जो योग्य तुम्हारे, करो ब्याह
होंगे सहाय हम सहोत्साह।''

अथवा

बावड़ी में वह स्वयं

पागल प्रतीकों में निरन्तर कह रहा

वह कोठरी में किस तरह

अपना गणित करता रहा

औ' मर गया.....

वह सघन झाड़ी के कँटीले

तम विवर में

मरे पक्षी सा

बिदा हो ही गया

वह ज्योति सदा को सो गयी

यह क्यों हुआ!

क्यों यह हुआ!!

(ट) राज्य में युधिष्ठिर के

होंगे आत्मघात

विप्र लेंगे निर्वासन

कैसी है शांति यह

प्रभु जो तुमने दी है ?

होगा क्या वन में सुनेंगे धृतराष्ट्र जब

यह मरण ययुत्सु का ?

अथवा

मैं क्या करूँ ?

मातुल;

मैं क्या करूँ ?

वध मेरे लिए नहीं रही नीति

वह है अब मेरे लिए मनोग्रंथी

किसको पा जाऊँ

मरोड़ूँ मैं !

मैं क्या करूँ ?

मातुल, मैं क्या करूँ ?

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4302]-312

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2013

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 10 : विशेष स्तर

भाषाविज्ञान

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भाषा के अभिलक्षणों का विस्तार से परिचय दीजिए।

2. भाषा-विज्ञान के अध्ययन की दिशाओं का विवेचन कीजिए।

3. स्वर और व्यंजन का अन्तर स्पष्ट करते हुए स्वर-वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

4. स्वनिम का स्वरूप स्पष्ट करते हुए स्वनिम की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

5. वाक्य की परिभाषा देते हुए वाक्य के भेदों पर प्रकाश डालिए।

6. अर्थ-परिवर्तन की दिशाओं का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

7. संबंध तत्व के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके भेदों को विशद कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) लिपि-विज्ञान

(ख) बलाघात

(ग) रूपिम के भेद

(घ) साहित्य के अध्ययन में भाषा-विज्ञान की उपयोगिता।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[4302]-313

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2013

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 11 : विशेष स्तर

हिंदी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. रासो शब्द के विभिन्न अर्थ स्पष्ट करते हुए रासो साहित्य की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) नाथ साहित्य

(ख) अमीर खुसरो

(ग) आदिकालीन राजनीतिक परिस्थिति।

P.T.O.

2. प्रेममार्गी काव्यधारा का परिचय देते हुए उसमें जायसी के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(घ) कबीर

(च) भक्तिकालीन सामाजिक पृष्ठभूमि

(छ) नीति काव्यधारा और रहीम।

3. रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(ज) बिहारी

(झ) घनानंद

(ट) रीतिकाल का नामकरण।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिए :

(*i*) ''आदिकालीन साहित्य तत्कालीन परिस्थितियों की देन है।'' इस कथन के आधार पर आदिकाल की राजनीतिक, धार्मिक तथा सामाजिक परिस्थितियों का विवेचन कीजिए।

(*ii*) रामभक्ति काव्यधारा की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) केशवदास और चिंतामणि का साहित्यिक परिचय दीजिए।

5. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [10]

(*i*) विद्यापति के काव्य की **दो** विशेषताओं को लिखिए।

(*ii*) चंदबरदाई का परिचय दीजिए।

(*iii*) भक्तिकालीन निर्गुण भक्ति साहित्य की **दो** विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(*iv*) मीरां का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(*v*) रसखान का परिचय दीजिए।

(*vi*) मतिराम के काव्य की **दो** विशेषताएँ लिखिए।

(*vii*) रीतिमुक्त काव्यधारा के **दो** कवियों के नाम लिखिए।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए : [6]

(*i*) विद्यापति के आश्रयदाताओं के नाम लिखिए।

(*ii*) आदिकाल के किसी **एक** महाकाव्य का उल्लेख कीजिए।

(*iii*) भक्तिकाल के किस कवि के काव्य में वात्सल्य रस के दर्शन होते हैं ?

(*iv*) नंददास किस काव्य-धारा के कवि हैं ?

(*v*) कठिन काव्य का प्रेत किस कवि को कहा जाता है ?

(*vi*) भूषण की काव्य-कृतियों के नाम लिखिए।

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**4+1**

Seat No.	

[4302]-314

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2013

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 12 : विशेष स्तर—वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए :

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

(आ) अनुवाद विज्ञान

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. आलोचना की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

2. 'आलोचना के लिए आलोचक की विशिष्ट योग्यता अनिवार्य है।' विवेचन कीजिए।

3. शुक्लोत्तर युग की हिंदी आलोचना पर प्रकाश डालिए।

4. 'आ. नंददुलारे वाजपेयी जी में हिंदी समीक्षा की सौष्ठववादी धारा की पूर्ण प्रतिष्ठा हुई है।' साधार स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

5. हिंदी आलोचना में डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी के योगदान पर प्रकाश डालिए।

6. आ. रामचंद्र शुक्ल की आलोचना-पद्धति का विवेचन कीजिए।

7. ''डॉ. नामवर सिंह की आलोचना उनकी प्रगतिशील दृष्टि को उजागर करती है।'' स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आलोचना का उद्देश्य

(ख) रसवादी आलोचक डॉ. नगेंद्र

(ग) आलोचना और सर्जनशील साहित्य

(घ) हिंदी आलोचना में डॉ. रामविलास शर्मा का स्थान।

(आ) अनुवाद विज्ञान

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अनुवाद के स्वरूप को ध्यान में रखते हुए 'अनुवाद—कला है या विज्ञान ?' के पक्ष-विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

2. अनुवाद-प्रक्रिया में स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा का महत्व स्पष्ट कीजिए।

3. लिप्यंतरण का स्वरूप स्पष्ट करते हुए अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद में आने वाली लिप्यंतरण की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

4. अनुवाद और भाषाविज्ञान का क्या संबंध है ? सोदाहरण समझाइये।

5. वैज्ञानिक तथा तकनीकी विषयों के अनुवाद में उपस्थित होने वाली समस्याओं का विवेचन कीजिए।

6. बैंक तथा अन्य कार्यालयों में हिंदी अनुवाद की आवश्यकता को समझाते हुए समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

7. काव्यानुवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसमें आने वाली समस्याओं को सोदाहरण समझाइये।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अनुवाद का सर्जनात्मक पक्ष

(ख) छायानुवाद

(ग) कम्प्यूटर अनुवाद की सीमाएँ

(घ) दुभाषिए का महत्व।

[4302]-314

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. जनसंचार माध्यमों के स्वरूप एवं कार्य पर प्रकाश डालिए।

2. भारतीय संचार तकनीकी के इतिहास को संक्षेप में लिखते हुए लोकतांत्रिक संचार को स्पष्ट कीजिए।

3. सूचना संप्रेषण में 'वाचिक भाषा' और 'लेखन भाषा' का महत्व स्पष्ट कीजिए।

4. जनशिक्षा और बच्चों के कार्यक्रमों में प्रयुक्त हिंदी भाषा के रूप पर प्रकाश डालिए।

5. जनसंचार माध्यमों से संबंधित हिंदी साहित्य का परिचय दीजिए।

6. जनसंपर्क माध्यमों की दृष्टि से अनुवाद की आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए।

7. इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के संदर्भ में हिंदी भाषा के मानकीकरण की आवश्यकता विशद कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) सूचना संप्रेषण

(ख) हिंदी पर अंग्रेजी का प्रभाव

(ग) वेबसाइट

(घ) इंटरनेट की पत्रकारिता।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4+1**

Seat No.	

[4302]-411

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2013

HINDI (हिंदी)

सामान्य स्तर : प्रश्नपत्र 13

आधुनिक काव्य

(खंडकाव्य, विशेष कवि तथा नई कविता)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) कितने प्रश्न करूँ : ममता कालिया

(*ii*) युगधारा : नागार्जुन

(*iii*) काव्यकुंज : संपा. रामशंकर राय 'सौमित्र'

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. '' 'कितने प्रश्न करूँ' में ममताजी ने आज के समाज की नारी के दृष्टिकोण से विविध प्रश्न उठाए हैं।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'कितने प्रश्न करूँ' में सीता द्वारा स्मरण किए गए विविध प्रसंगों का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

2. ''नागार्जुन हमारे राष्ट्रीय सम्मान का रक्षक, हमारी जनवादी साहित्यिक विरासत का सजग प्रहरी है।'' पठित कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'पाषाणी' कविता के कथ्य पर प्रकाश डालिए।

3. ''गिरिजाकुमार माथुर की कविताओं में भाषा एवं छंद के नए-नए प्रयोग मिलते हैं।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भवानीप्रसाद मिश्र की काव्यगत विशेषताओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) 'कितने प्रश्न करूँ' के हनुमान।

अथवा

वाल्मीकि और सीता का संवाद।

(2) 'प्रेत का बयान' का व्यंग्य।

अथवा

नागार्जुन की भाषा।

(3) 'ढाक वनी' कविता का प्रकृति सौंदर्य।

अथवा

'गीत फरोश' का व्यंग्य।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) यह भी सोचा यदि तुमको
प्रतिमा वांछित थी मेरी;
कैसे ठुकराया मुझको
छाया यथार्थ की चेरी!
मैं रक्त मांस की नारी
अपयश का भय मुझसे था;
यह जड़ सोने की आकृति
यश-आयोजन उससे था!

अथवा

कुछ प्रश्न मेरे मानस में
भी रह रह कर उठते थे
उत्तर की अनुपस्थिति में
दाबे न कहीं दबते थे।
ये तुमसे थे संबोधित
तुम ही इनका कारण थे
कैसे पाती मैं उत्तर
सर्वत्र घिरे चारण थे।

(ख) हिटलर के ये पुत्र-पौत्र जब तक निर्मूल न होंगे-

हिंदू-मुस्लिम-सिक्ख फासिस्टों से न हमारी

मातृभूमि यह जब तक खाली होगी-

सांप्रदायवादी दैत्यों के विकट खोह

जब तक खंडहर न बनेंगे

तब तक मैं इनके खिलाफ लिखता जाऊँगा।

अथवा

दुर्गम बर्फानी घाटी में

शत-सहस्र फुट ऊँचाई पर

अलख नाभि से उठने वाले

निज के ही उन्मादक परिमल-

के पीछे धावित हो-होकर

तरल तरुण कस्तूरी मृग को

अपने पर चिढ़ते देखा है

बादल को घिरते देखा है।

(ग) असल सुख के लिए मेहनत

पसीने से बनेगा पथ

थकन है खींचने की

इसलिए छुट जाएगा क्या

राह ही में सूर्य निर्मित रथ ?

अथवा

मैं सूने में रहता हूँ, ऐसा सूना
जहाँ घास उगा रहता है ऊना
और झाड़ कुछ इमली के, पीपल के
अंधकार जिनसे होता है दूना
तुम देख रहे हो मुझको, जहाँ खड़ा हूँ!
तुम देख रहे हो मुझको, जहाँ पड़ा हूँ!
मैं ऐसे ही खंडहर चुनता फिरता हूँ,
मैं ऐसी ही जगहों में पला, बढ़ा हूँ।

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4302]-412

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2013

HINDI (हिंदी)

विशेष स्तर : प्रश्नपत्र 14

हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

(2008 PATTERN)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

(*ii*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. प्राचीन भारतीय आर्यभाषाओं का परिचय देते हुए पालि की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

2. हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय देते हुए अवधी और खड़ी बोली की विशेषताएँ लिखिए।

3. ''हिंदी शब्द-भंडार विशाल और समृद्ध है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

4. हिंदी के शब्द-निर्माण में उपसर्ग और समास का क्या महत्व है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

5. देवनागरी लिपि के उद्भव और विकास को समझाते हुए उसकी विशेषताएँ लिखिए।

6. हिंदी के विविध रूपों पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

7. मशीनी अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) खरोष्ठी लिपि

(ख) महाराष्ट्री

(ग) ब्रज बोली

(घ) हिंदी कारक व्यवस्था।

Total No. of Questions—**7**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4302]-413

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2013

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-15 : विशेष स्तर

(हिंदी साहित्य का इतिहास)

(आधुनिक काल)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

(*ii*) प्रश्न क्र. **1** से **5** तक के प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*iii*) प्रश्न क्र. **6** तथा **7** अनिवार्य हैं ।

(*iv*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. हिंदी गद्य के विकास में योगदान देने वाली संस्थाओं का परिचय दीजिए ।

2. हिंदी कहानी साहित्य के विकासक्रम को स्पष्ट करते हुए कहानीकार जयशंकर प्रसाद का योगदान विशद कीजिए ।

3. भारतेंदुयुगीन गद्य की विशेषताएँ निरूपित कीजिए ।

4. शुक्लोत्तर निबंध साहित्य की समृद्धि में योगदान देने वाले **दो** प्रमुख निबंधकारों का परिचय दीजिए ।

5. समकालीन कविता के स्वरूप तथा विशेषताओं को विशद कीजिए ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) भारतेंदुपूर्व हिंदी गद्यकार

P.T.O.

(2) प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास

(3) निबंधकार हजारीप्रसाद द्विवेदी

(4) प्रयोगवाद के प्रवर्त्तक—अज्ञेय

(5) मैथिलीशरण गुप्त

(6) नई कविता ।

7. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [12]

(1) भारतेंदुयुगीन नाटकों की **दो** विशेषताएँ लिखिए ।

(2) प्रेमचंदपूर्व युगीन उपन्यासों के कथ्य पर प्रकाश डालिए ।

(3) स्वातन्त्र्योत्तर कहानी की **दो** प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए ।

(4) राष्ट्रकवि 'दिनकर' का परिचय दीजिए ।

(5) छायावादी काव्य में 'निराला' के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

(6) प्रयोगवाद के पतन के कारण लिखिए ।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए : [4]

(1) गुलेरी की अमर कहानी कौनसी है ?

(2) 'ब्रह्मराक्षस' किस कवि की रचना है ?

(3) शमशेर बहादुर किस सप्तक के कवि हैं ?

(4) 'समानांतर कहानी' के प्रवर्त्तक कौन हैं ?

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**4+2**

Seat No.	

[4302]-414

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2013

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-16 : विशेषस्तर : वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्त्वपूर्ण सूचना :— निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(क) भारतीय साहित्य

(ख) लोक साहित्य

(ग) हिंदी पत्रकारिता

(क) भारतीय साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याओं को स्पष्ट कीजिए ।

2. भारतीय साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

3. भारतीय साहित्य की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए ।

4. पठित किसी **एक** रचना में व्यक्त भारतीयता का समाजशास्त्रीय दृष्टि से मूल्यांकन कीजिए ।

P.T.O.

5. भारतीय साहित्य के संदर्भ में 'हयवदन' की समीक्षा कीजिए ।

6. "'अधूरे मनुष्य' की कहानियों में जनसामान्य की समग्र अभिव्यक्ति हुई है ।" विवेचना कीजिए ।

7. पठित किसी **एक** रचना का जीवनमूल्यों की दृष्टि से विवेचन कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) भारतीय साहित्य का स्वरूप
   (ख) आधुनिक भारतीय साहित्य की विशेषताएँ
   (ग) भारतीय साहित्य और सांस्कृतिक चेतना
   (घ) 'अधूरे मनुष्य' की कहानियों का उद्देश्य ।

[4302]-414

(ख) लोक साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. "लोक साहित्य में संस्कृति का समग्र चित्रण मिलता है." स्पष्ट कीजिए ।

2. भाषा, अलंकार, प्रतीक-योजना तथा छंद-विधान की दृष्टि से लोक साहित्य का विवेचन कीजिए ।

3. लोक साहित्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए तथा लोकवार्ता के साथ उसके संबंध पर प्रकाश डालिए ।

4. "लोकगीत हमारी आस्था और विश्वास के प्रतीक हैं ।" इस कथन के आलोक में लोकगीत की विशेषताएँ निरूपित कीजिए ।

5. लोकगाथा का वर्गीकरण प्रस्तुत करते हुए 'लैला-मजनू' का परिचय दीजिए ।

6. लोककथा में अभिप्राय का महत्व विशद करते हुए लोककथा तथा शिष्ट कहानी का अंतर स्पष्ट कीजिए ।

7. भारतीय लोकनाट्य परंपरा का परिचय देते हुए 'नौटंकी' का विवेचन कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) लोक साहित्य का राष्ट्रीय महत्व

(ख) रासलीला

(ग) होली और सावन गीत

(घ) पहेलियाँ और मुकरियाँ ।

(ग) हिंदी पत्रकारिता

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. विश्व पत्रकारिता के उदय तथा महत्व पर प्रकाश डालिए ।

2. पत्रकारिता के संदर्भ में भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकार-क्षेत्रों का परिचय दीजिए ।

3. हिंदी की रेडियो तथा टी.वी. पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

4. प्रिंट मीडिया का स्वरूप स्पष्ट करते हुए दूरदर्शन पत्रकारिता से उसका अंतर स्पष्ट कीजिए ।

5. "'संपादकीय' पत्रकारिता लेखन का मुख्य आयाम है ।" स्पष्ट कीजिए ।

6. "समय और समाज के संदर्भ में सजग रहकर नागरिकों में दायित्व-बोध जगाने की कला को पत्रकारिता कहा जाता है ।" विवेचन कीजिए ।

7. इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में हिंदी भाषा के मानकीकरण की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए भाषा-नियोजन नीति पर प्रकाश डालिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) फीचर लेखन की प्रविधि

(ख) मुक्त प्रेस की अवधारणा

(ग) लेआउट तथा पृष्ठसज्जा

(घ) मल्टीमीडिया ।